बबलू हाथी

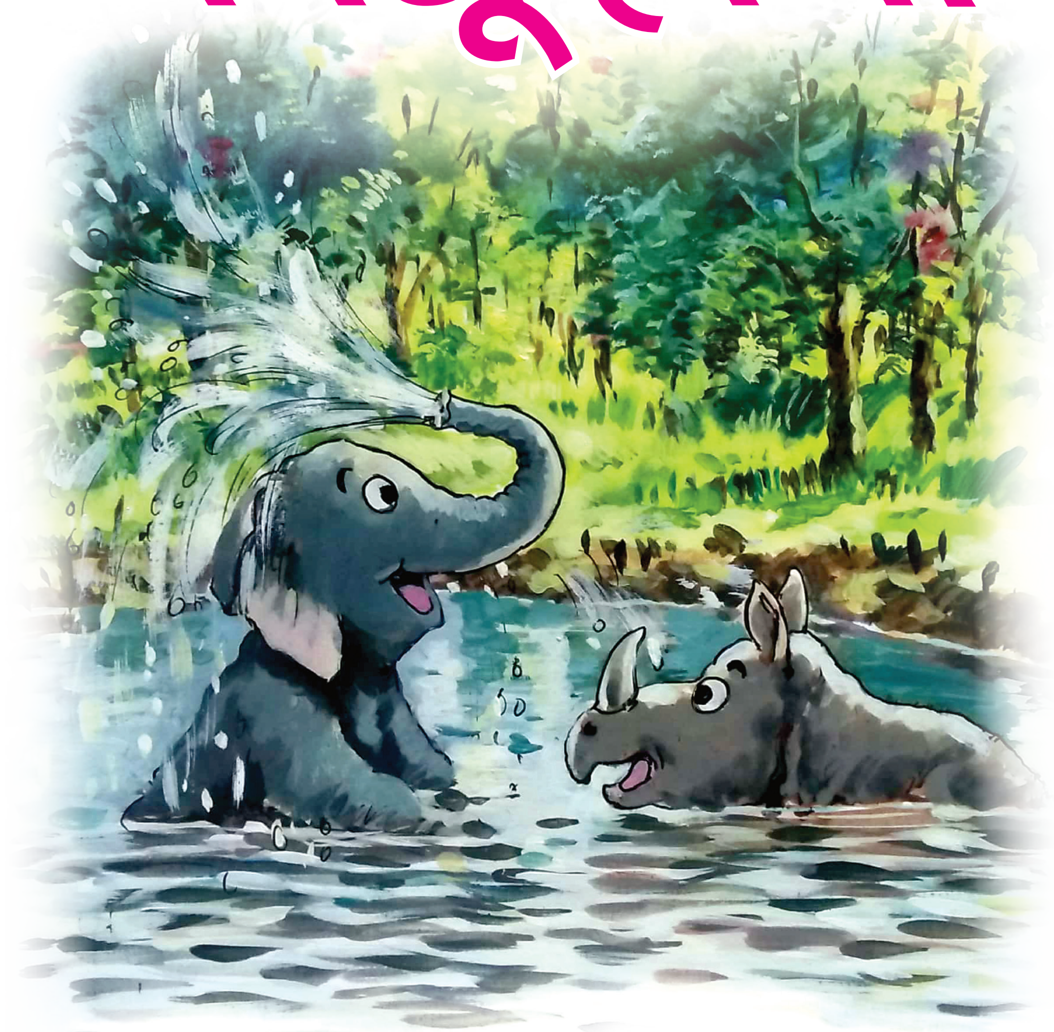

बबलू हाथी को तालाब में नहाना बहुत पसंद था। वह रोज़ तालाब पर नहाने जाता और खूब खेलता। एक दिन उसे वहाँ भोला मिला, जो दिखने में उसके जैसा ही था। बबलू ने भोला से तालाब में नहाने को कहा। भोला तैयार हो गया। दोनों ने तालाब में खूब मस्ती की। भोला के एक लंबा सींग था, जो बबलू के चुभ जाता था।

घर जाने पर बबलू की माँ उससे पूछती कि- "ये चोट कैसे लगी?" तो वह कहता- "भोला हाथी की वजह से लगी।" बबलू की माँ ने भोला को एक दिन दोपहर के खाने पर बुलाया। बबलू की माँ भोला को देखकर बहुत हँसी और बबलू से कहा- "ये तो गैंडा है हाथी नहीं।"

Language and Learning foundation
शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें
HSSPP
Designed by www.stelladesignandprint.com